महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
दूर शिक्षा निदेशालय
बी.एड. (सत्र 2018-20) प्रथम सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थियों,

जिन प्रशिक्षुओं ने बी.एड. प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया है ऐसे सभी छात्रों की प्रवेश सूची विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रवेशित छात्रों को सूचित किया जाता है कि बी.एड. प्रथम सत्र के सत्रीय कार्य अपने आवंटित अभ्यास केंद्र पर लिखकर दिनांक 31 मार्च, 2019 तक प्रस्तुत करें। बी.एड. **प्रथम सत्र** के सत्रीय कार्य निम्नानुसार हैं -

शिक्षा 011 – शिक्षा एवं शिक्षा के प्रयोजन
शिक्षा 012 – शिक्षार्थी एवं उसका संदर्भ
शिक्षा 013 – समकालीन भारत एवं शिक्षा
शिक्षा 014 – शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी
शिक्षा 015 – विद्यालय संगठन एवं प्रशासन

उद्देश्य - सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जानना है कि आपने पाठयक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा, समझा और उसके विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। सत्रीय कार्यों का उद्देश्य यह भी है कि पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें और उन्हें अपने शब्दों में लिख सकें। इसका तात्पर्य यह है कि विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप उसी रुप में प्रस्तुत न करें बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर व्यावहारिक रुप से सोच विचार कर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, व्यावहारिक, आलोचनात्मक दृष्टि, रचनाओं के बारे आपकी अपनी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक इन सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

निर्देश – सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए –

1. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएं सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता, और दिनांक लिखिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की बाईं ओर पाठ्यक्रम का नाम, प्रश्न पत्र का शीर्षक एवं कोड संख्यास्पष्ट लिखे।

(Cover page) उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अध्ययन केंद्र का नाम : .....

पंजीयन संख्या : .....

नामांकन संख्या : .....

नाम : .....

पता : .....

.....

.....

मो. : .....

ई-मेल : .....

दिनांक : .....

पाठ्यक्रम का नाम : बी.एड.

प्रश्न पत्र का शीर्षक : .....

प्रश्न-पत्र कोड : .....

विद्यार्थी हस्ताक्षर

1. प्रस्तुत सत्रीय कार्य को स्वयं मेरे द्वारा पूरा करने के पश्चात हस्ताक्षरित कर प्रस्तुत किया जा रहा है।
2. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप (A_4) आकार के कागज का इस्तेमाल करें और उन सभी कागजों में केवल एक तरफ का ही प्रयोग करें।
3. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
4. अपनी हस्तलिपि (Hand written) में उत्तर दें।

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें :

1. प्रश्नों में जो पूछा गया है उसको अच्छी तरह समझ कर उत्तर लिखें। जो नहीं पूछा गया है, उसे न लिखें। जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें। आपका उत्तर सुसंगत, बोधगम्य और स्पष्ट हो।
2. **अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की छाया प्रति अवश्य रखें।**

शुभकामनाओं के साथ।

(पाठ्यक्रम संयोजक)

बी.एड. (सत्र 2018-20) प्रथम सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड :	शिक्षा : 011
प्रश्न पत्र :	शिक्षा एवं शिक्षा के प्रयोजन
अंतिम तिथि :	31 मार्च, 2019 तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें।
अधिकतक अंक :	30 अंक

- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।

01. "शिक्षा मनुष्य के अन्तःशक्तियों का स्वाभाविक, सुव्यवस्थित एवं प्रगतिशील विकास है।" पेस्टालाजी के इस कथन के आलोक में शिक्षा की अवधारणा, स्वरुप तथा उदेश्यों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये ?

02. फ्रेडरिक फ्रोबेल के शिक्षण सिद्धांतों के आधार पर शिक्षा में उनके योगदान को रेखांकित कीजिये।

03. 'न्याय दर्शन वस्तुतः ज्ञान प्राप्ति की तर्कयुक्त समीक्षात्मक प्रणाली हैं' न्याय दर्शन की इस मान्यता के अनुरूप विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता एवं आलोचनात्मक दृष्टि के विकास में न्याय दर्शन की भूमिका का वर्णन कीजिये।

04. गुरुदेव रविन्द्र नाथ टैगोर के शिक्षा दर्शन के आधार पर प्रकृतिवाद विद्यार्थियों में किस प्रकार संवैधानिक मूल्यों के विकास में सहायक हैं ? विश्लेषण कीजिये।

05. मूल्य से आप क्या समझते हैं ? एक शिक्षक के रूप में अपने विद्यार्थियों में आप किस प्रकार मूल्यों के विकास एवं पोषण को संवर्धित करेंगे?

***

बी.एड. (सत्र 2018-20) प्रथम सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड :	शिक्षा : 012
प्रश्न पत्र :	शिक्षार्थी एवं उसका संदर्भ
अंतिम तिथि :	31 मार्च, 2019 तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें।
अधिकतक अंक :	30 अंक

- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।

01. इरिक्सन के मनो- सामाजिक सिद्धांतो के कारकों की चर्चा किजिए।

02. वृद्धि एवं विकास में अंतर बताते हुए विकास के विभिन्न सिद्धांतो की उदाहरण सहित विवेचना कीजिए।

03. पियाजे के सिद्धांत की शिक्षा क्षेत्र में उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।

04. स्व के विकास को प्रभावित करने वाले कारकों की चर्चा कीजिए।

05. कोहलबर्ग के नैतिक विकास सिद्धांत की विवेचना कीजिए।

***

बी.एड. (सत्र 2018-20) प्रथम सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड :	शिक्षा : 013
प्रश्न पत्र :	समकालीन भारतीय शिक्षा
अंतिम तिथि :	31 मार्च, 2019 तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें।
अधिकतक अंक :	30 अंक

- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।

01. वैदिक शिक्षा व्यवस्था की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

02. शैक्षिक प्रबंधन से आप क्या समझते हैं? विद्यालय के प्रधानाचार्य के रूप में आप किस प्रकार का प्रबंधन करेंगे? विस्तृत वर्णन कीजिये।

03. भारत सरकार द्वारा महिलाओं के उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयत्न को समझाइये।

04. एक समय सारिणी का निर्माण कीजिये एवं आदर्श समय सारिणी बनाते समय किन-किन बिन्दुओं को ध्यान में रखना चाहिए? स्पष्ट कीजिये।

05. प्रधानाचार्य के रूप में आप अपने विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए किस प्रकार का शैक्षिक प्रबंधन करेंगे? विस्तृत वर्णन कीजिये।

***

बी.एड. (सत्र 2018-20) प्रथम सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 014

प्रश्न पत्र : सूचना एवं संचार तकनीकी

अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2019 तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें।

अधिकतक अंक : 30 अंक

- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।

01. अभिक्रमित अनुदेशन का अर्थ बताते हुए संगणक सहायक अनुदेशन की रुपरेखा स्पष्ट कीजिए।

02. सूचना एवं संचार तकनीकी का अर्थ बताते हुए शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी की भूमिका विस्तार से समझाइयें।

03. सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में सूचना एवं संचार तकनीकी किस प्रकार सहायक है? उदहारण सहित स्पष्ट कीजिए।

04. आई.सी.टी.आधारित शैक्षिक नवाचार की विस्तार से चर्चा कीजिए।

05. आभासी अधिगम से आप क्या समझते है ? आप अपनी कक्षाओं में आभासी अधिगम का प्रयोग किस प्रकार करेंगे समझाइयें।

***

बी.एड. (सत्र 2018-20) प्रथम सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 015

प्रश्न पत्र : विद्यालय-संगठन एवं प्रशासन

अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2019 तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें।

अधिकतक अंक : 30 अंक

- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।

01. शैक्षिक प्रबंध के विभिन्न अभिकरणों को समझाइयें।

02. निम्नलिखित को संक्षेप में समझाइए।

(क) एन.सी.ई.आर.टी.

(ख) शिक्षक की विद्यालय में भूमिका

03. शैक्षिक प्रबंधन अर्थ, विशेषतायें एवं क्षेत्र को समझाइयें।

04. विद्यालय में अनुशासन की आवश्यकता क्या है? अनुशासनहीनता के कारण एवं अनुशासनहीनता को दूर करने के उपाय लिखियें।

05. शैक्षिक नेतृत्व का अर्थ, आवश्यकता एवं महत्व को समझाइयें ।

***